Volume 9, Issue IV, September 2020, ISSN: 2277-1255
BHARTIYAM INTERNATIONAL JOURNAL OF EDUCATION & RESEARCH
A quarterly peer reviewed International Journal of Research & Education

लोगो की आर्थिक स्थिति पर कोविड-19 का प्रभाव

*Mrs. Sunita

सारांश

पूरीदुनियाकोरोनावायरसकेचंगुलमेंहैकोविड19महामारीकालोगोंकीआर्थिकस्थितिकोएकअभूतपूर्वझटकाहैहमारेदेशकेलोगोंमें2020कोरोनामहामारीकाआर्थिकप्रभावकाफीहदतकविघटनकारीरहाहैभारतसरकारनेइसस्थितिसेनिपटनेकेलिएखाद्यसुरक्षाऔरस्वास्थ्यसंबंधीअपीलसिद्धांतसेसंबंधितराज्योंकेलिएसमयसीमाविस्तारकेलिएअनेकप्रकारकीघोषणाकीउसकेसाथलंबीअवधितकदेशव्यापीतालाबंदीकेकारणवैश्विकआर्थिकमंदीऔरमांगमेंव्यवधानऔरअर्थव्यवस्थामेंमंदीकेकारणलंबेसमयकासामनाकरनेकीसंभावनाहै।इसकेकारणहमारेदेशमेंवित्तीयसेवाएंबैंकिंगपर्यटनसंबंधी,उद्योगधंधों,सरकारीराजस्वकेसाथसाथआमजनताकेविभिन्नक्षेत्रोंपरबहुतबड़ेसंकटकेसामनाकरनापड़ाहै |

***मुख्यशब्द:**कोरोनावायरस, महामारी, भारत, आर्थिकस्थिति|

परिचय:

कोरोनावायरसनेदुनियाभरकेकारोबारकोचौपटकरदियाहै।हमारेदेशमेंभीकोरोनावायरसऔरइसेकाबूमेंरखनेकेलिएलगाएगएलोकडाउनसेलोगोंकाव्यापारवआर्थिकस्थितिबहुतबुरीतरहसेप्रभावितहुईहैछोटेबड़ेसभीकारोबारठपहोगए,जिसकासीधाअसरलोगोंकीआर्थिकस्थितिपरपड़ा।देशकेलगभगसभीपरिवारोंकोप्रभावितहोनापड़ाऔरहालातऐसेहोगएकेविभिन्नसेक्टरोंमेंकरोड़ोंलोगोंकेरोजगारपरतलवारलटकीगई।करोड़ोंलोगइसआर्थिकस्थितिकेकारणपहलेसेहीरोजगारसेदूरहोगएहैं,पूरीदुनियाकोरोनावायरसकेचंगुलमेंहैऔरवायरसकाप्रसारइ

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

तनाबड़ाहैकिविश्वस्वास्थ्यसंगठनकोइसेमहामारीघोषितकरनेकेलिएमजबूरकरदिया।वायरसकेप्रकोपसेलोगों कीआर्थिकस्थितिपरअभूतपूर्वप्रभावहै।12 मार्च 2020 कोकोवीड 19 कोमहामारीघोषितकियाथा।कोविड-19 याकोरोनावायरसबीमारीनेदुनियाभरकेअरबोंलोगोंकेजीवनकोखतरेमेंडालतेहुएदुनियाकोएकप्रणालीगतठह रावकेलिएलाकरखड़ाकरदियाथा।कोविडकोपहलीबारचीनकेवुहानशहरमेंदेखागयाथाऔर 23 मार्च 2020 तकयहदुनियाके196देशोंतकपहुंचचुकाथा।इसकीव्यापकप्रकृतिऔरइलाजकीकमीकेकारणवायरसनेदुनिया भरकेलोगोंमेंदहशतऔरभयपैदाकियाहैऔरइसकेसंक्रमणकोरोकनेकेलिएविभिन्नदेशोंऔरशहरोंमेंलोकडाउ नकियागयाथा।कोरोनावायरसकेकारणसमाजकेलोगजोआर्थिकरूपसेकमजोरथेउनकीआर्थिकस्थितिसबसे ज्यादादयनीयहोगई।भारतीयअर्थव्यवस्थानेसामाजिकआर्थिकविघटनकोजन्मदिया,जिसकेकारणसंपूर्णआर्थि कवातावरणकाविकासबाधितहुआहै।

उद्देश्य:

- संपूर्णभारतीयअर्थव्यवस्थापरकोविड -19 केप्रभावकोसमझनेकेलिए |
- विभिन्नक्षेत्रोंपरकोविड-19 केप्रभावकोसमझनेकेलिए |
- विभिन्नक्षेत्रोंमेंलोगोंकेआर्थिकस्थितिपरकोविड -19 केप्रभावसेचुनौतियोंकापतालगाना |

आर्थिकस्थितिकेविभिन्नपहलुओंपरकोरोनावायरसकाप्रभाव:

कोविड19यानिकोरोनावायरसनेभारतमेंपूरीतरहसेपैरजमालिएहैंऔरहमारादेशप्रमुखरूपसेमंदीकीओरबढ़र हाहैं।हमारेदेशकेलोगोंकाप्रमुखव्यवसायभलेहीकृषिहोलेकिनवर्तमानसमयमेंभारतीयअर्थव्यवस्थामेंविकासके पीछेमिडिलक्लासऔरलोअरक्लासकासबसेबड़ाहाथहैयहीकारणहैकिभारतकोएक(मिडलइनकमग्रुप)की

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

अर्थव्यवस्थाकेरूपमेंपरिभाषितकियाजाताहै।भारतीयअर्थव्यवस्थाकीसबसेकमजोरआबादीयानीकिकिसान, असंगठितक्षेत्रमेंकामकरनेवालेमजदूर,दैनिकमजदूरीकेलिएशहरोंमेंपलायनकरनेवालेमजदूरऔरशहरोंमेंसड़ककेकिनारेछोटामोटाव्यापारकरकेआजीविकाचलानेवालेलोग।भारतीयअर्थव्यवस्थामेंउत्पादनकरनेवालेवहहरप्रकारकाक्षेत्रजोइसदेशमेंपूंजीऔरगैरपूंजीवस्तुओंकाउत्पादनकरताहैयानिबिजनेससेक्टर।

प्राथमिकक्षेत्र:

प्राथमिकक्षेत्रमेंकच्चेमालकेनिष्कर्षणऔरउत्पादनसेजुड़ेउद्योगशामिलहैं।यहक्षेत्रहमारेदेशकेलगभगलोगोंकोरोजगारप्रदानकरताहै।हमारेदेशमेंआबादीका43.21%योगदानदेताहै।भारतीयजीडीपी16.1%यहकच्चेमालकीआपूर्तिकरताहैवह क्षेत्रऔरमानवजीवनकेबुनियादीआवश्यकताओंकोप्रस्तुतकरताहै।

कृषिक्षेत्र:

कृषिक्षेत्रकिसीभीअर्थव्यवस्थाकीरीढ़है।यहप्राथमिकक्षेत्रहैजोरोजगारपैदाकरताहैजिससेकिआर्थिकप्रसारकापूरादायरआगेबढ़ताहै।हमारेदेशकीअधिकांशआबादीइसक्षेत्रसेप्रतिबंधितहै।कोरोनामहामारीकेकारणसभीकिसानोंऔरइसक्षेत्रमेंलिप्तलोगोंकोआजीविकाउच्चजोखिममेंहोगईहैं।कृषिक्षेत्रमेंलोकडाउनकेलिएयात्राप्रतिबंधोंकेकारणकृषिश्रमिकोंकीकमीहोगईजिसकेपरिणामस्वरुपउत्पादनमेंगिरावटआईहैं।इसकेअलावामहामारीकेसमयलॉकडाउनकीअवधिमेंरबीकीफसलकीकटाईकेमौसमकेसाथमेलखातीहैजिससेमजदूरोंकीकमीकेकारणफसलेंबिनाजुताईकेखेतोंमेंहीरहजातीहै।होटल,रेस्तरां,मिठाईकीदुकानोंऔरचायकीदुकानोंजैसेव्यवसायोकेसंचालनकोनिलंबितकरदियागया।इनउद्देश्योंकेलिएउपयोगकिएजानेवालेकच्चेमालकाबाजारकिसानोंकीशिकायतोंकेलिएनीचेचलागयाहै।चायआधारितउद्योगोंकेराजस्वमेंउल्लेखनीयगिरावटआईहैक्योंकिवेअपनेउत्पादनकाबड़ाहिस्सानिर्यातकरतेथे,जोअबवर्जितहैभारतमेंकृषिक्षेत्रएकमहामारीकेसाथसाथचक्रवात,भूकंपऔरटीडियोकेहमलोंसेभीप्रभावितहुआहै।

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

खननउद्योग:

कोविड19हमारीएकअभूतपूर्वमाननीयऔरआर्थिकसंकटहै।कोविड19केतेजीसेप्रसारनेउद्योगोंमेंजीवनसंचालनकोबाधितकरदियाहैऔरखननक्षेत्रकोईअपवादनहींहै।भारतमेंखननकंपनियांकमजोरमांगकीमारझेलरहीहैं क्योंकिकोविड19महामारीवैश्विकअर्थव्यवस्थाकोप्रभावितकरतीहै,महामारीनेसंपूर्णमूल्यश्रख़लाकोप्रभावितकियाहै,क्योंकिसंगठनऔरकंपनियांकार्यालयो,खानसाईडोऔरविनिर्माणसुविधाओंतकपहुंचकोसीमितकरतेहैं। औरपरिवहनऔरशिपिंगवृद्धिपरप्रतिबंधलगातीहैं।महामारीनेधातूओऔरखनिजोंकेसमग्रमांगपरअंकुशलगादियाहै, जिसकीकीमतोंमेंकमीआईहैक्योंकिवेअपनेउत्पादनकाएकबड़ाहिस्सानिर्यातकरतेहैंजोअबवर्जितहै।

द्वितीयकक्षेत्र:

हमारेदेशलगभग 24.89% आबादीकोरोजगारप्रदानकरताहै,भारतीयसकलघरेलूउत्पादकालगभग 29.6% योगदानदेताहै।यहउनउद्योगोंकोगलेलगाताहैजोतैयारमालकानिर्माणकरतेहैंयानिर्माणगतिविधियोंमेंलिप्तहोते हैं। इसप्रकारप्राथमिकऔरसेवादोनोंक्षेत्रोंकोसहायताप्रदानकरतेहैं।

विनिर्माणउद्योग:

विनिर्माणक्षेत्रअर्थव्यवस्थाकाएकप्रमुखहिस्साहैक्योंकियह2018मेंवैश्विकसकलघरेलूउत्पादकालगभग16%है। लेकिनइससमयविनिर्माणउद्योगइसकाखामियाजाभुगतरहेहैंक्योंकिउन्होंनेथोड़ेसमयकेलिएअपनेउत्पादनको समाप्तकरदियाथा।इसलिएइनउद्योगोंकेउत्पादनकेंद्रोंयागोदामोंमेंहोनेवालेआविष्कारोंकामूल्यकमहोगयाहै। औरमशीनरीभीलंबेसमयसेबेकारपड़ीहै।उद्योगोंकोसबसेबड़ीकठिनाईकासामनाकीजानेवालीप्रमुखनकदीप्रवाहकीकमीऔरआपूर्तिश्रंखलामेंव्यवधानहै।

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

ऑटोमोबाइलउद्योग:

सोसायटीआफइंडियनऑटोमोबाइलमैन्युफैक्चरसकाकहनाहैकिभारतकेऑटोमोबाइलउद्योगमेंकरीब3.7 लाखलोगकामकरतेहैं।भारतमेंऑटोउद्योगपहलेसेआर्थिकसुस्तीकाशिकारथालेकिनअबकोरोनावायरसकीवजहसेलगभगसभीप्लांटबंदहोजातेहैऔरआयातबंदहोजाताहैं , ऐसेमेंऑटोमोबाइलकंपनियोंकेउत्पादनऔरबिक्रीमेंभारीगिरावटआतीहैजिससेवेवेतनमेंकटौतीकीघोषणाकरतेहैंतथाकुछकर्मियोंकोनौकरीसेनिकालदेतेहैंक्योंकिअबचीनमेंमंदीकेकारणभारतकेऑटोउद्योगकोभीकलपुर्जोंकीकिल्लतहोरहीहै।आयकेस्तरमेंगिरावटकेकारणपोस्टलॉकडाउनअवधिकेदौरानकीस्थितिऔरभीभयानकहोगईहै।

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

कपड़ाऔरपरिधानउद्योग:

भारतकाआर्थिकविकासकपड़ाउद्योगकेनिर्यातआयपरनिर्भरहै।कपड़ादेशकेकुलनिर्यातकालगभग 30% है।मीर,पावरलूम,अहथकरघाक्षेत्रोंमें45मिलियनसेअधिकलोगोंकोप्रत्यक्षरोजगारप्रदानकरना,यहकृषिक्षेत्र केबाददेशकासबसेबड़ानियोक्ताहै।चीनकेबादभारतदुनियाकासबसेबड़ाकपड़ाउत्पादकहै।यहउद्योगदे शमें45
मिलियनसेअधिकलोगोंकेलिएकार्यस्थलहैलेकिनउत्पादकइकाइयोंकेअस्थाईबंदहोनेसेउनकीबाधाओंमें औरभीअधिकवृद्धिहुईहै।निर्यातऔरआयातकीसमाप्तिकाभारतकेकताईमिलोंपरप्रतिकूलप्रभावपड़ाहैभा रतकेभाग्यकेनिर्यातमेंक्योंकिभारतकेधागेकेनिर्यातमेंचीनकाएकतिहाईहिस्साहै,इसलिएकपड़ेधागेऔरअ न्यसामग्रियोंकेनिर्यातकोबाधितकियागयाहैजिसकेकारणलोगोंकोआर्थिकस्थितिकासामनाकरनापड़ाहै।

फार्मास्युटिकलऔरकेमिकलउद्योग:

वैश्विकदवाउद्योगचीनकेनिर्यातपरनिर्भरहै,क्योंकिभारतदेशमेंजेनेरिकदवासामग्रीकासबसेबड़ाउत्पादक यासप्लायरहै।चीनमेंकोविड19केप्रकोपऔरगड़बड़ीकेबादउत्पादनबंदहोनेसेअंतरराष्ट्रीयपरिवहनप्रतिबं धोंकेबादचीनसेदवाउत्पादनकेलिएकच्चेमालकीआपूर्तिधीमीहोगईहैं।येउद्योगचीनसेदवाउत्पादनकेलिए औरकच्चेमालकेआयातपरभरोसाकरतेहैं।आयातकेकारणइनउद्योगोंपरप्रतिबंधभीप्रभावडालतेहैं।रसाय नउद्योगहरलगभगहरउत्पादकोछूताहै!जिसकाहमसभीदैनिकआधारपरउपयोगकरतेहैं!दुनियाभरमेंको विड19तरंगोंकेप्रभावसेरसायनकीमांगअंतबाजारोंमेंगंभीरझटकेमहसूसकररहीहैवैश्विकआपूर्तिश्रंखलाबा धितहै|

इलेक्ट्रॉनिकउद्योग:

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

Volume 9, Issue IV, September 2020, ISSN: 2277-1255
BHARTIYAM INTERNATIONAL JOURNAL OF EDUCATION & RESEARCH
A quarterly peer reviewed International Journal of Research & Education

भारतमेंइलेक्ट्रॉनिकउद्योगमहत्वपूर्णक्षेत्रोंमेंसेएकहैंजोअत्यधिकतनावमेंहै।भारतीयइलेक्ट्रॉनिकसविनिर्माणक्षेत्रकेलिएसबसेबड़ीचुनौतियोंमेंसेएकआयातपरइसकीअत्यधिकनिर्भरताहै।चीनदुनियामेंइलेक्ट्रॉनिककासबसेबड़ानिर्माताहैऔरसबसेबड़ानिर्यातकभी।फिनिशउत्पादऔरइसउद्योगमेंकिएजानेवालेकच्चेमालकीआपूर्तिमुख्यरूपसेचीनद्वारावस्तुओंकेउत्पादनऔरबिक्रीकोनीचेधकेलदियाहै।औरआपूर्तिश्रृंखलाभीबाधितहोरहीहैजिससेलोगोंकीआर्थिकस्थितिदयनीयहोगईहै।

सौरऊर्जाउद्योग:-

सौरऊर्जापरियोजनाबिल्डरचीनीआयातपरनिर्भरकरतेहैंइसकालगभग80%भारतमेंउपयोगहोनेवालेशोरमॉडलऔरसौरसेलचीनीनिर्माताओंकेहैं।इसप्रकारभारतीयसौरपरियोजनाडेवलपर्सनेकच्चेमालकीकमीकासामनाकरनाशुरूकरदियाऔरउनकेपाससीमितस्टॉकहैजिससेलोगोंकीआर्थिकस्थितिऔरभीकमजोरहोगईहै |

निर्माणऔरइंजीनियरउद्योग:

आजकीवैश्वीकरणदुनियामेंशायदहीकोईजगहहोजोकोरोनावायरसकीमहामारीकीगंभीरतासेआप्रभावितरहीहो।निर्माणऔरइंजीनियरक्षेत्रजोपहलेसेहीपूंजीकीकमीऔरदिवालियाहोनेकेकारणोंसेकईचुनौतियोंसेजूझरहाथा,पर्यावरणकानूनऔररियलएस्टेटअधिनियम,2016केतहतकईधोखाधड़ीऔरविनायमकबोझ,अबकोविड-
19केकारणसभीनिर्माणगतिविधिऔरअधिकांशव्यवसायिकगतिविधिरुकगईहैं।निर्माणऔरइंजीनियरउद्योगोंकेलिएविशालश्रमशक्तिकीभौतिकउपस्थितिआवश्यकहैजोतालाबंदीकेदौरानबाधितहोगईहैऔरनिर्मा

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

णगतिविधियांभीरुकगईहै।इसप्रकारउद्योगकरूरकोरोनावायरसकेहाथोंतड़फरहेहैंजिसकेकारणलोगों कोआर्थिकस्थितिकासामनाकरनापड़रहाहै।

सेवाक्षेत्र:

भारतीयआबादीकालगभग 32.9 प्रतिशतसेवाक्षेत्रमेंकार्यरतहैजोभारतीयसकलघरेलूउत्पादकालगभग 54.3 प्रतिशतयोगदानदेताहै।वैश्विकस्तरपरकठोरकोविड19काप्रभावबहुतअधिकदिखाईदेताहैक्षेत्रसेवाउद्योग कोईअपवादनहींहै।कोविड19नेखादसेवाक्षेत्रकोस्पष्टरूपसेप्रभावितकियाहै,इसलिएकोविड19केकारण लोगोंकोआर्थिकस्थितिकासामनाकरनापड़ा।

पर्यटनऔरआतिथ्यउद्योग:

कोरोनावायरससंकटकेबीचपर्यटनऔरआतिथ्यउद्योगसबसेमहत्वपूर्णरूपसेप्रभावितहोनेवालेउद्योगहैंऔरगतिविधियांफिरसेशुरूकरनेकेलिएबहुतज्यादामुश्किलोंकासामनाकरनापड़ाहैलोकडाउनकेकारणपर्यटनऔरआतिथ्यउद्योगोंकेलिएगंभीरझटकेसेनिपटनेवालेपर्यटकोंकीआमदनीकोरोकदियाहै।

परिवहनखंड:

कोरोनावायरसपरिवहनखंडकोबड़ेपैमानेपरवित्तीयदबावमेंडालदियाहै।लॉकडाउनमेंसीमाबंदहोनेऔरयात्राप्रतिबंधकेकारणएयरलाइंसक्रूज़औरसड़कमार्गऑपरेटरोंकोकड़ीचोटलगीहै।विमाननकंपनियोंमेंसेकुछअपनेग्राहकोंकोपैसेवापिसकरनेकीस्थितिमेंनहींहैंजिन्होंनेउनउड़ानोंकोबुककरदियाथाऔरजिन्हेंलॉकडाउनकेकारणरद्दकरदियागयाथाजिसकेकारणलोगोंकोआर्थिकस्थितिकासामनाकरनापड़ा।

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

मीडियाऔरमनोरंजनउद्योग:

कोरोनावायरसकेकारणकईफिल्मोंकीरिलीजकोस्थगितकरनेकोमजबूरकियादुनियाभरमेंकोविड19कामीडियाआपूर्ति,उपभोगऔरविज्ञापनपरप्रभावपड़रहाहै।नईसामग्रीकेनिर्माणकेदौरानधाराप्रवाहित,लाइवऔरमल्टीप्लेयार्डकेलिएमांगआसमानछूरहीहै,काफीहदतकबंदकरदियागयाहैऔरसिनेमाघरोंमेंइसउद्योगकोभारीनुकसानपहुंचानेवालीफिल्मेंनहींदिखाईजासकतीहैं।

ज्वेलरीकारोबारपरप्रभाव:

एकऔरउद्योगजोकोरोनावायरसकेप्रकोपसेप्रभावितहै,
वहहैजवाहरातऔरज्वेलरीकाकारोबार।भारतमेंतरासेवऔरपोलीसकिएहुएकेहुएहीरोकेनिर्यातकेसबसेबड़ेकेंद्रचीनऔरहांगकांगहैंऔरइनदोनोंकीजगहपरवायरसकाबहुतबड़ाअसरपड़ाहैजिसकेकारणइसउद्योगमेंकामकरनेवालेसभीछोटे-
बड़ेकारीगरऔरउन्हेंकामकरनेवालेलोगोंकोबहुतअधिकआर्थिकस्थितिकासामनाकरनापड़रहाहै।

निष्कर्ष:

पूरीदुनियाइससमयकोरोनावायरसकीचपेटमेंहैजबकोईवायरसकिसीपरहमलाकरताहैतोयहसामूहिकआर्थिकवास्तुकलाकोप्रभावितकरताहै।व्यवसायिकगतिविधियोंमेंठहरावऔरवैश्विकउत्पादनश्रंखलाओमेंव्यवधानकाविश्वअर्थव्यवस्थापरव्यापकप्रभावपड़ाहै।इसकोरोनावायरसमहामारीकेप्रकोपनेसामाजिकऔरआर्थिककेसाथ-
साथआर्थिकगतिविधियांऔरव्यापारकार्योंकेअभूतपूर्वपतनकेसाथएकवैश्विकस्वास्थ्यआपातकालकोजन्मदियाहै।वैश्विकव्यापारजगतपरइसकेगंभीरपरिणामहैं।इसकेकारणलोगोंकीआर्थिकस्थितिपरबहुतबुराप्रभा

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com

वपड़ाहै।यहदेखतेहुएकीकोरोनावायरसकासंकटएकअज्ञातवायरसकानतीजाहैएकप्रभावनीतिकाउपायहमारेविचारमेंचिकित्सा औरस्वास्थ्यकार्यक्रमोंपरखर्चबढआनाहैजोनकेवलअभिनवइलाज (वैक्सीनखोज) परनिर्देशितहोगा , बल्किएकव्यापकमिशनभीहोगाऔरपरीक्षणकेंद्रोंकीक्षमताऔरगुणवत्ताकोबढ़ानेकेलिएताकिसंक्रमितव्यक्तिकीजल्दीपहचानहोसकेऔरत्वरितउपचारात्मककार्यवाहीहोसकेऔरइसकठिनसमयकेदौरानहमसभीकोहौसलाबनाएरखनाचाहिएतथाइसकोरोनावायरसकेप्रभावकामुकाबलाकरनेकेलिएरणनीतियोकानिर्माणकरनाचाहिए।

संदर्भ सूची:

1. www.indiatoday.in
2. en.wikipedia.org
3. www.jagranjosh.com
4.economictimes.indiatimes.com

* **Research Scholar, Department of Education, Baba Mastnath University, Rohtak**
sharmasunita93550@gmail.com